



पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में छात्रों की महत्वपूर्ण सहभागिता में सोशल मीडिया के महत्व का अध्ययन

प्रोफेसर (डॉ०) धर्मवीर सिंह पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,
राजकीय महाविद्यालय, मांट, मथुरा

सारांश, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में सोशल मीडिया के महत्व का अध्ययन करने के लिए, फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्मों का उपयोग करके उपयोगकर्ता सहभागिता, सूचना प्रसार की गति, की निरंतरता के माध्यम से किया जा सकता है। परंपरागत रूप से पुस्तकों के भंडार के रूप में देखे जाने वाले पुस्तकालय अब गतिशील सामुदायिक केंद्रों में परिवर्तित हो रहे हैं। लेकिन इस बदलाव के बावजूद, डिजिटल होती दुनिया में कई पुस्तकालयों में आने वाले लोगों की संख्या में गिरावट देखी जा रही है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में पुस्तकालयों की सहभागिता कम हो रही है। यह शोध पुस्तकालयों की सहभागिता को पुनर्जीवित करने और इसकी स्थायी प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रणनीतियों की पड़ताल करता है। एक शैक्षणिक संस्थान के पुस्तकालय में पेशेवर अनुभव के आधार पर यह देखा गया है कि छात्र भौतिक पुस्तकालयों में जाने के बजाय ऑनलाइन खोज इंजनों को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं, जिससे दुर्लभ और महंगी पुस्तकों सहित मूल्यवान संसाधनों के उपयोग में कमी आ रही है। अधिक प्रामाणिक जानकारी वाली भौतिक पुस्तकें उपयोगकर्ताओं को अधिक सीखने या जानने में मदद कर सकती हैं। इसलिए हम आवश्यक छात्रों के साथ अधिक प्रासंगिक जानकारी साझा करने का प्रयास कर सकते हैं और उन्हें पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। हम पुस्तकालय पेशेवरों को सकारात्मक दृष्टिकोण और मुस्कुराते चेहरे के साथ-साथ पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का गहन ज्ञान होना चाहिए, ताकि हम छात्रों या उपयोगकर्ताओं का उचित मार्गदर्शन कर सकें। यह अध्ययन उपयोगकर्ता प्रेरणाओं का पता लगाता है, पुस्तकालय प्रथाओं का मूल्यांकन करता है और उपयोगकर्ता सहभागिता बढ़ाने के लिए साक्ष्य-आधारित रणनीतियों का प्रस्ताव करता है। इस शोध के निष्कर्ष पुस्तकालयों को बदलते उपयोगकर्ता व्यवहारों के अनुरूप ढलने, आकर्षक वातावरण बनाने और आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाने के लिए उपयोगी सुझाव प्रदान करेंगे। उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करके और पुस्तकालयों के आसपास एक जीवंत समुदाय को बढ़ावा देकर, यह शोध इन संस्थानों को डिजिटल युग में फलने-फूलने और सीखने, खोज और संपर्क के लिए आवश्यक केंद्रों के रूप में अपनी सेवाएं जारी रखने के लिए सशक्त बनाने का प्रयास करता है।

मुख्य शब्द, पुस्तकालय, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, डिजिटल आदि।

परिचय, आज फेसबुक युवाओं, विशेषकर विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच बहुत लोकप्रिय है। इसलिए, अकादमिक पुस्तकालयों द्वारा प्रचार-प्रसार और उपयोगकर्ता समुदायों तक पहुँचने के लिए फेसबुक सबसे उपयुक्त मंच है। इस शोध पत्र का उद्देश्य पुस्तकालयों में छात्रों से जुड़ने में फेसबुक के उपयोग की प्रभावशीलता का आकलन करना है। अनेको सर्वेक्षणों के परिणामों से पता चला कि पुस्तकालयों के फेसबुक पेजों को छात्रों से पर्याप्त ध्यान और सहभागिता नहीं मिली। इसके अलावा, छात्रों की सूचना संबंधी जरूरतें और सामान्य रूप से सोशल मीडिया सामग्री ने पुस्तकालयों के फेसबुक पेजों के प्रति छात्रों की स्वीकृति को प्रभावित किया। इन कारकों का प्रमाण उन अधिकांश छात्रों से मिलता है जो विभिन्न उद्देश्यों के लिए अक्सर फेसबुक का उपयोग करते थे, लेकिन पुस्तकालय पेजों तक उनकी पहुँच कम थी और वे पुस्तकालय की पोस्टों में सक्रिय रूप से भाग नहीं लेते थे। छात्र पुस्तकालयों से प्राप्त होने वाली जानकारी में रुचि रखते थे और पुस्तकालय की पोस्टों की गुणवत्ता के बारे में आशावादी थे। वे पुस्तकालयों से अधिक विविध और आकर्षक सामग्री की अपेक्षा रखते थे। इस शोध पत्र के निष्कर्ष पुस्तकालयों को फेसबुक पर छात्रों की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा करके उनके साथ घनिष्ठ संबंध बनाने में मदद कर सकते हैं।

आज के इंटरनेट युग में, सोशल मीडिया को एक वैश्विक घटना के रूप में वर्णित किया जाता है, जिसके दुनिया भर में अरबों उपयोगकर्ता हैं। सोशल मीडिया पुस्तकालयों को समय और दूरी की सीमाओं के बिना अपने उपयोगकर्ताओं के साथ संचार को बेहतर बनाने के कई अवसर प्रदान करता है।

शोधपूर्व साहित्यक अवलोकन, इस शोध पत्र के लिए निम्नलिखित साहित्य का अवलोकन किया गया है।

किंग (2015) ने पुस्तकालयों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग के लाभों पर जोर दिया, जिससे पुस्तकालयों की दृश्यता बढ़े, उपयोगकर्ता समुदायों से जुड़ें और जानकारी साझा करें, उपयोगकर्ताओं की पहुँच बढ़ाएं और पुस्तकालयों को अधिक आधुनिक बनाएं।

रीट्ज (2013) ने एक सोशल नेटवर्किंग साइट के रूप में परिभाषित किया है, जो व्यक्तियों को व्यक्तिगत प्रोफाइल बनाने और अपडेट करने, मित्रों की सूची बनाए रखने, जिनसे संदेशों का आदान-प्रदान किया जा सकता है, और स्कूल, कार्यस्थल, शहर या क्षेत्र द्वारा संगठित सामाजिक नेटवर्क में शामिल होने की अनुमति देता है। फेसबुक का उपयोग निःशुल्क है, जिससे यह सभी के लिए सुलभ है।

(कोहली एट अल., 2018)। फेसबुक अपने उपयोगकर्ताओं को कई सुविधाएं प्रदान करता है, जिनमें स्टेटस अपडेट करना, फोटो या वीडियो अपलोड करना, पोस्ट पर प्रतिक्रिया देना और टिप्पणी करना, साथ ही निजी संदेश भेजना शामिल है।

शर्मा और वर्मा (2018) ने सोशल मीडिया को उसके प्राथमिक उद्देश्य के आधार पर वर्गीकृत किया। उन्होंने सोशल मीडिया को विभिन्न प्लेटफार्मों जैसे सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ब्लॉग, चर्चा मंच, वीडियो शेयरिंग, कंटेंट शेयरिंग, सोशल बुकमार्किंग, पॉडकास्ट और विकी के रूप में परिभाषित किया। विशेष रूप से, सोशल नेटवर्किंग साइट्स अन्य साइटों की तुलना में कहीं अधिक लोकप्रिय हैं, जो पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को मित्रों का नेटवर्क बनाने, बातचीत करने और जानकारी साझा करने की अनुमति देती हैं।

स्कॉट (2015) पिछले कुछ वर्षों में, फेसबुक दुनिया भर में लगभग 2.89 बिलियन मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के साथ सबसे बड़ी सोशल नेटवर्किंग साइट्स में से एक बन गया है (स्टैटिस्टा रिसर्च डिपार्टमेंट, 2021)। पिछले शोध पत्रों से पता चला है कि पुस्तकालय कर्मचारी यह समझते हैं कि सोशल मीडिया, विशेष रूप से फेसबुक का उपयोग, पुस्तकालयों और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। मौजूदा शोध पत्र में मुख्य रूप से पुस्तकालयों में फेसबुक के उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया है, शोध करते समय उपयोगकर्ता पहलू को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। इसलिए, इस वर्तमान शोध पत्र का उद्देश्य छात्रों द्वारा पुस्तकालय के फेसबुक पेजों के उपयोग की पहचान करना, फेसबुक पर पुस्तकालय की पोस्टों के बारे में छात्रों के मूल्यांकन को स्पष्ट करना और फिर छात्रों से जुड़ने में पुस्तकालय के फेसबुक पेजों के उपयोग की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए कुछ संभावित सुझाव देना है।

शोध पत्र के शोध प्रश्न

शोध पत्र के मुख्य शोध प्रश्न निम्नलिखित हैं।

- 1 छात्र पुस्तकालय के फेसबुक पेज का उपयोग कैसे करते हैं?
- 2 छात्र फेसबुक पर लाइब्रेरी पोस्ट का मूल्यांकन कैसे करते हैं?

शैक्षणिक पुस्तकालयों में फेसबुक का उपयोग

अधिकाधिक पुस्तकालय सोशल मीडिया पर अपनी उपस्थिति बढ़ा रहे हैं (वस्सिलकाकी और गारौफालू, 2014)। टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप (2016) ने विश्वभर में पुस्तकालयों द्वारा सोशल मीडिया के उपयोग से संबंधित वर्तमान प्रथाओं का एक अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है, जिसमें 70% से अधिक पुस्तकालय भाग ले रहे हैं। विशेष रूप से, फेसबुक आज अकादमिक पुस्तकालयों का सबसे लोकप्रिय मंच है (चेंग एट अल., 2020)। पिछले अध्ययनों से पता चला है कि अकादमिक पुस्तकालय सूचना संसाधनों और सेवाओं को बढ़ावा देने, ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने, उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने और सूचना साक्षरता के शिक्षण और अधिगम में सुधार करने के लिए फेसबुक का उपयोग करते हैं (चेंग एट अल., 2020 चुघ और रुही, 2018)। अकादमिक पुस्तकालयों के फेसबुक पेजों पर कई सामग्री विश्लेषण किए गए और फेसबुक के विभिन्न उपयोगों को दर्शाया गया।

इस शोध पत्र के सुझाव

इस शोध पत्र से पता चलता है कि छात्र वर्तमान में फेसबुक का बहुत अधिक उपयोग करते हैं। फेसबुक छात्रों के लिए सहपाठियों, परिवार, मित्रों और अन्य लोगों से संवाद करने का एक प्रमुख साधन है। हालांकि, पुस्तकालय के फेसबुक पेज का उपयोग करने वाले छात्र या तो बहुत कम करते हैं या बिल्कुल भी नहीं करते। छात्रों का एक बड़ा हिस्सा पुस्तकालय के पेज तक नहीं पहुंच पाता क्योंकि उन्हें उनके बारे में जानकारी ही नहीं होती। इसलिए, पुस्तकालयों को इस समस्या का समाधान करना होगा। पुस्तकालयों के लिए अच्छी खबर यह है कि छात्र फेसबुक पर पुस्तकालयों से प्राप्त होने वाली जानकारी में रुचि रखते हैं, जिसमें पुस्तकालयों और उनके उत्पादों, सेवाओं या घोषणाओं से संबंधित जानकारी शामिल है। इसलिए, पुस्तकालयों को सेवाओं, संग्रहों, कार्यक्रमों और अन्य चीजों के बारे में छात्रों से संवाद करना चाहिए। इसके अलावा, छात्र पुस्तकालयों की पोस्टों में निष्क्रिय रूप से ही भाग लेते थे क्योंकि वे शायद ही कभी पोस्टों को लाइक, शेयर या उन पर टिप्पणी करते थे। इससे पता चलता है कि अधिकांश छात्र केवल सूचना ग्रहण कर रहे थे। यदि पुस्तकालय छात्रों से संवाद करने के लिए फेसबुक का उपयोग करने को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें छात्रों के साथ अधिक संवाद स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए।

निष्कर्ष, इस शोध पत्र से पता चला कि पुस्तकालय से संबंधित पोस्ट की गुणवत्ता के बारे में छात्रों का आकलन आम तौर पर अपेक्षाकृत सकारात्मक था। छात्रों ने पुस्तकालय संदेशों की उपयोगिता की सराहना की। पुस्तकालय पृष्ठों पर छात्रों की सहभागिता कम थी क्योंकि सामग्री का प्रारूप रुचिकर नहीं था। फेसबुक का उपयोग करने वालों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और छात्र इसे पुस्तकालयों से संवाद करने का एक प्रभावी माध्यम मानते हैं। फेसबुक पुस्तकालयों की याद दिलाता है और छात्रों को उनके विज्ञापित संसाधनों और सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। छात्रों को उपयोगी और रुचिकर सामग्री प्रदान करके, पुस्तकालय गुणवत्तापूर्ण जानकारी के केंद्र के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत करने में मदद कर रहा है। इससे छात्रों को जानकारी की आवश्यकता होने पर पुस्तकालय के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और पुस्तकालय का उपयोग बढ़ेगा इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के फेसबुक पेजों को फॉलो करके अपने पेज की दृश्यता बढ़ा सकता है। अन्य विभागों के सहयोग से पुस्तकालयों द्वारा पोस्ट की गई जानकारी अधिक तेजी से और व्यापक रूप से फैलेगी। साथ ही, पुस्तकालयों को पुस्तकालय वेबसाइटों, न्यूजलेटर्स और नोटिस बोर्ड जैसे प्रासंगिक स्थानों पर अपने पेजों का लिंक नियमित रूप से साझा करना चाहिए।

अंत में, पुस्तकालय की वेबसाइट पुस्तकालय की आधिकारिक ऑनलाइन उपस्थिति है और हमेशा कई आगंतुकों को आकर्षित करती है। हालांकि, इस लेख को लिखते समय, यूएसएच और यूएस ने अपनी वेबसाइटों से अपने फेसबुक पेज के लिंक शामिल नहीं किए थे। उन्हें लोकप्रिय बनाने के लिए, यूएसएच और यूएस के फेसबुक पेज को इन दोनों पुस्तकालयों की मुख्य वेबसाइट से लिंक किया जाना चाहिए। ऐसा करने से, पुस्तकालय की वेबसाइट पर आने वाले

आगंतुकों को पता चलेगा कि पुस्तकालय का एक फेसबुक पेज है, वे उस पर जा सकते हैं और उन्हें पुस्तकालय के फेसबुक पेज को लाइक करने का अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त, अधिकांश उत्तरदाताओं ने फेसबुक पर पुस्तकालयों की उपस्थिति का स्वागत किया और कहा कि इससे उनकी धारणाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। छात्रों की प्रतिक्रिया के अनुसार, उनसे प्रभावी ढंग से जुड़ने के लिए कुछ सुझाव दिए गए हैं, जैसे छात्रों की रुचियों से संबंधित सोशल मीडिया सामग्री साझा करना, अधिक जीवंतता के साथ पोस्ट करना, अधिक बार सामग्री अपलोड करना और पुस्तकालयों के फेसबुक पेज को अधिक सक्रिय और आकर्षक बनाने के लिए फेसबुक की विशेष सुविधाओं का उपयोग करना। इसके अलावा, पुस्तकालयों को छात्रों के साथ सामाजिक संपर्क बढ़ाना चाहिए और अपने फेसबुक पेज को लोकप्रिय बनाना चाहिए। आभार

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- 1 अहारोनी, एन. (2012). पुस्तकालयों में फेसबुक का उपयोग एक खोजपूर्ण विश्लेषण। एस्लिब प्रोसीडिंग्स, 64 (4), 358–372
- 2 अल-बुसैदी, के.ए. (2014). सरकारी संगठनों में समूह कार्य के लिए सोशल नेटवर्किंग साइटों का SWOT विश्लेषण आईटी प्रबंधकों के परिप्रेक्ष्य से एक खोजपूर्ण डेल्फी अध्ययन। VINE 44(1), 121–139.
- 3 अल-दाइहानी, एस.एम., और अब्राहमस, ए. (2018). अकादमिक पुस्तकालयों के फेसबुक पोस्ट का विश्लेषण पाठ और डेटा विश्लेषण। जर्नल ऑफ एकेडमिक लाइब्रेरियनशिप, 44(2), 216–225
- 4 बक, एस. (2012). 10 चीजें जिन्हें आप अपने 63,206-कैरेक्टर वाले फेसबुक स्टेटस में फिट कर सकते हैं।
- 5 चान, टीटीडब्ल्यू, लैम, एएचसी, और चियू, डीकेडब्ल्यू (2020) फेसबुक से इंस्टाग्राम तक एक अकादमिक पुस्तकालय में उपयोगकर्ता जुड़ाव की खोज। जर्नल ऑफ एकेडमिक लाइब्रेरियनशिप, 46(6),
- 6 चेंग, डब्ल्यूडब्ल्यूएच, लैम, ईटीएच, और चियू, डीकेडब्ल्यू (2020) अकादमिक पुस्तकालय विपणन में एक मंच के रूप में सोशल मीडिया एक तुलनात्मक अध्ययन। जर्नल ऑफ एकेडमिक लाइब्रेरियनशिप, 46(5), 102188
- 7 फार्मर, एल., और स्ट्रिसेविक, आई. (2011). पुस्तकालयों में साक्षरता और पठन को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान का उपयोग पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए दिशानिर्देश 125, 28 पृष्ठ
- 8 लेखक, एन. (22 जनवरी, 2013) भाग 4 लोग अपने पुस्तकालयों से क्या चाहते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर इंटरनेट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी। 1 दिसंबर, 2022 को
- 9 पुस्तकालय एक संसाधन केंद्र के रूप में (अगस्त 2013) अंग्रेजी, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड।
- 10 शर्मा, जोगेन. (2022). पुस्तकालयों में डिजिटल सेवाओं का विकास चुनौतियाँ और संभावनाएँ।
- 11 शर्मा, जे (2016)। हमारे समाज में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने में सार्वजनिक पुस्तकालय की भूमिकाय अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान पत्रिका। खंड 1, अंक 6

- 12 शर्मा, जे. (2022). पुस्तकालयों में डिजिटल सेवाओं का विकासरू चुनौतियाँ और संभावनाएँ पुस्तकालय प्रबंधन में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का एकीकरण एस एस पब्लिकेशन, भारत ।
- 13 इहेजिरीका के.टी. (2023)। अधिक उपयोगकर्ता सहभागिता, पुस्तकालयों के लिए बेहतर पुस्तकालयों में सोशल मीडिया एकीकरण के लिए एक ढांचा प्रस्तावित करना सूचना विकास ।
- 14 क्रोमिटी, जे. (2013). सहयोग 21वीं सदी की पुस्तकालय रणनीतियों का रणनीतिक आधार। सूचना नेटवर्किंग की नई समीक्षा, 18(1),
- 15 मरे, ई. (2015)। डिजिटल हस्तक्षेपों के साथ सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित रणनीतियों की प्रभावशीलता एक व्यवस्थित समीक्षा प्रोटोकॉल। जेएमआईआर रिसर्च प्रोटोकॉल्स, 4(2), ई47 ।
- 16 ब्लैकबर्न, एफ. (2014). सामुदायिक सहभागिता का एक उदाहरण लाइब्रेरीज एसीटी और एसीटी आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर समुदाय ।
- 17 बुकिजंस्की, जे.ए. (2008). पुस्तकालय अपने मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं की बढ़ती भीड़ से बिना किसी रोक-टोक के निपटना शुरू कर रहे हैं! इंटरनेट रेफरेंस सर्विसेज क्वार्टरली,
- 18 डेल मार प्राडोस गैलार्डो, एम. (2013). उपयोगकर्ता सहभागिता के माध्यम से अनुसंधान में सुधार। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल साइकोलॉजी, 2(1),